गतिविधि - 7

चित्रांकन/पोस्टर प्रतियोगिता

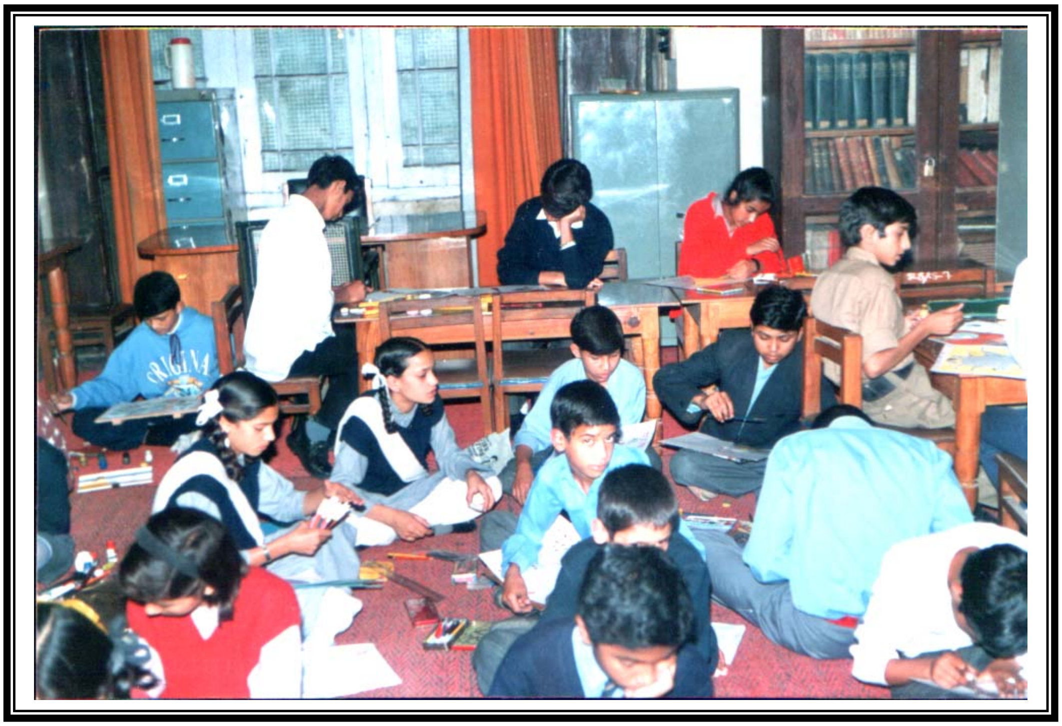

गतिविधि - 7

चित्रांकन/पोस्टर प्रतियोगिता
(Painting/Poster Competition)

चित्रांकन और पोस्टर प्रतियोगिताएं लोकप्रिय सह-पाठकीय गतिविधियां बन गई हैं। छात्र-छात्राओं को इन प्रतियोगिताओं से जोड़ा जाता है ताकि वे दिए गए विषयों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने और विभिन्न स्रोतों से आवश्यक सूचनाएं एकत्र करने के उपरांत अपने विचारों को चित्र/पोस्टर के रूप में अभिव्यक्त कर सकें। यह गतिविधि किशोरावस्था प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य (**ARSH**) जैसे संवेदनशील और जटिल विषयों के संदर्भ में अधिक प्रभावपूर्ण सिद्ध हो सकती है। इस गतिविधि के माध्यम से प्रतिभागी छात्रों के मध्य किशोरावस्था की समस्याओं से जूझने का कौशल विकसित होता है।

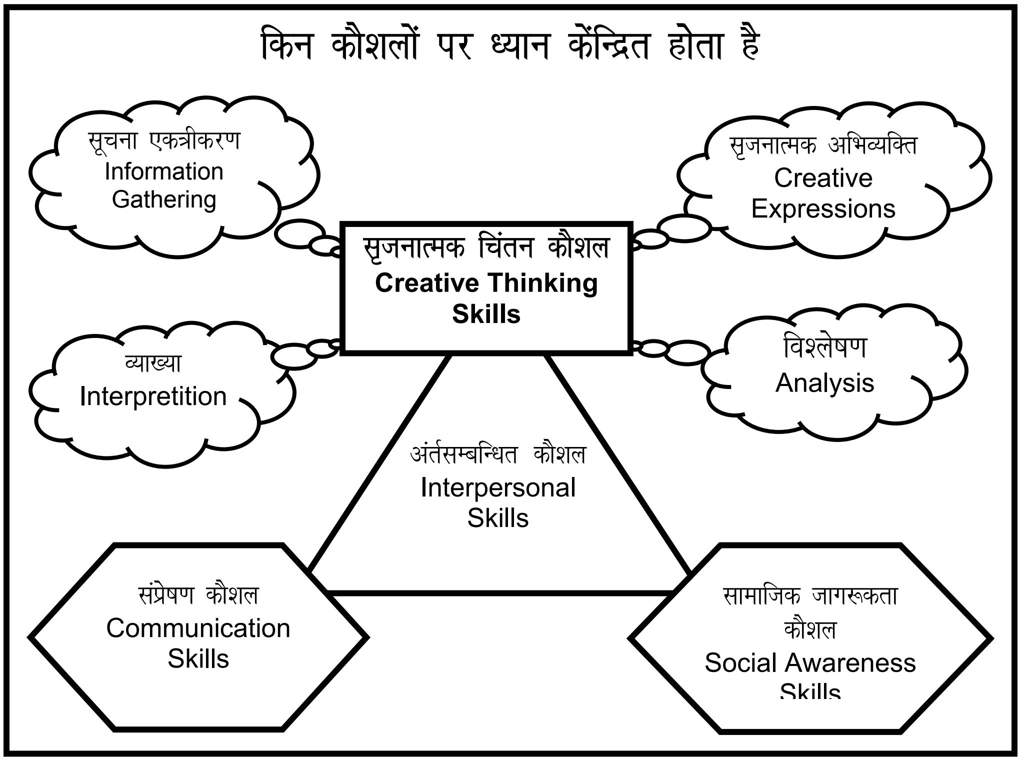

उद्देश्य

1. किशोरावस्था प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य ¼ARSH½ से सम्बन्धित सूचनाएं एकत्रित करने की प्रेरणा देकर चित्रांकन/पोस्टर जैसे रुचिकर माध्यम से विचारों की अभिव्यक्ति के लिए छात्रों को प्रेरित करना।

2. उन्हें दृश्य-अनुभव के माध्यम से संदेश संप्रेषण के लिए सृजनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करना।

3. छात्रों के मध्य वैचारिक एवं संप्रेषण कौशल विकसित करना।

लक्षित समूह

सातवीं से बारहवीं कक्षा के सभी छात्र।

वांछित सुविधाएं

कला शिक्षा के लिए स्कूल में पहले से उपलब्ध सुविधाएं।

समय

तीन मास में एक बार, एक-घण्टा।

प्रक्रिया

1. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों को किशोरवय, एच आई वी संक्रमण, एड्स और मादक पदार्थों के व्यसन से सम्बन्धित किसी भी विषय पर स्थलबद्ध **(On the spot)** चिंत्राकन/पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आंमत्रित करना।

2. छात्रों को इस गतिविधि में भाग लेने के लिए बुलाने से पहले यह स्पष्ट कर देना कि इस गतिविधि का उद्देश्य प्रतियोगिता नहीं बल्कि दिए गए विषय पर उनके विचारों और भावों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है।

3. उन्हें दिए गए विषय और उसके विभिन्न आयामों से सम्बन्धित विविध सामग्री का अध्ययन करने हेतु कम से कम 15 दिन का समय देना चाहिए।

4. प्रतियोगिता के लिए एक दिन निश्चित करना।

5. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर की कक्षाओं के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहिए।

6. शिक्षक प्रतियोगिता के लिए चयनित विषय तथा उसके विविध आयामों के बारे में छात्र-समूह के साथ 15 मिनट के लिए विचार-विमर्श कर सकता है। यदि संभव हो तो विचार-विमर्श में दृश्य-सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए।

7. कला से सम्बन्धित सभी सामग्री यथा कागज, रंग, ब्रश इत्यादि का प्रबन्ध करना। सामग्री लाने के लिए छात्रों को भी कहा जा सकता है।

8. चित्रांकन के लिए उन्हें कम से कम एक घंटे का समय देना चाहिए।

9. प्रत्येक समूह के मूल्यांकन और सर्वश्रेष्ठ चित्र के चुनाव के लिए निर्णायक मंडल को आंमत्रित करना।

10. चित्र/पोस्टर के मूल्यांकन के लिए निर्णायक मंडल स्वयं कुछ नियमों का निर्धारण कर सकते हैं।

11. प्रत्येक छात्र को दिए गए विषय के संदर्भ में अपने चित्र की व्याख्या करने का अवसर प्रदान करना चाहिए। अन्य छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। सम्बन्धित छात्र द्वारा पूछे गए प्रश्नों का यथा क्षमता उत्तर देना चाहिए।

12. प्रत्येक स्तर पर विजेताओं को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत करना।

13. चुने हुए चित्रों/पोस्टरों को स्कूल में उचित स्थान पर प्रदर्शित करना चाहिए।

पुनर्निवेशन (Feedback)

हर बार गतिविधि के समापन के बाद पुनर्निवेशन के लिए कुछ विशेष पग उठाए जाएं। सम्बन्धित अध्यापक निम्नानुसार विवरण तैयार कर सकते हैं :

1. कितने छात्रों ने (कक्षावार) गतिविधि में भाग लिया?

2. किन-किन संस्थानों/एजेन्सियों से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया?

3. क्या प्रतियोगिता का आयोजन करते हुए उपर्युक्त सभी बातों का ध्यान रखा गया था?

4. प्रत्येक विषय/उपविषय से कितने चित्र/ पोस्टर बनाए गए थे?

5. कितने छात्रों ने विषय को ठीक और प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया?

6. क्या छात्रों ने अपने चित्रों की ठीक व्याख्या की?